अमर उजाला

देहरादून
बुधवार, 22 नवंबर 2017

शैल चित्रकला की प्रदर्शनी आज से

एमकेपी कॉलेज के सभागार में होगा आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी का आयोजन 22 नवंबर से एमकेपी कॉलेज के सभागार में होगा। प्रदर्शनी 12 दिसंबर तक लगेगी। इस दौरान कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।

प्रदर्शनी के आयोजन को लेकर मंगलवार को परेड ग्राउंड स्थित दून पुस्तकालय में हुई प्रेसवार्ता के दौरान दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक बीके जोशी ने कहा कि प्रदर्शनी का आयोजन इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली और दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी कॉलेज के सहयोग से हो रहा है। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव एसके दास और सम्मानित अतिथि पूर्व मुख्य सचिव आईके पांडे रहेंगे। प्रदर्शनी की अध्यक्षता एमकेपी कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. इंदु सिंह करेंगी। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद विशिष्ट व्याख्यान और कार्यशाला भी होगी। प्रेसवार्ता में इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट के आदि दृश्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ल, इतिहासकार प्रो. एमपी जोशी आदि मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते बीके जोशी।

एमकेपी में चित्रकला प्रदर्शनी आज से

जागरण संवाददाता, देहरादून : दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी पीजी कॉलेज संयुक्त तत्वावधान में बुधवार से 20 दिवसीय शैल चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रदर्शनी एमकेपी पीजी कॉलेज कैंपस में होगी। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव एसके दास करेंगे। मंगलवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली दृश्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.बीएम मल्ला व दून पुस्तकालय के निदेशक प्रो.बीके जोशी ने प्रेसवार्ता कर शैल चित्रकला प्रतियोगिता की जानकारी दी। बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद शैल चित्रकला विषय पर बच्चों की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जबकि शाम चार बजे एमकेपी पीजी कॉलेज के सभागार में पुरातत्वविद व इतिहासकार प्रो.एमपी जोशी 'आर्टफैक्टस, पेट्रोगलिफ्स एंड रॉक पेंटिंग्स' पर विशेष व्याख्यान देंगे। 23 नवंबर को बच्चों के लिए इम्प्रेसेंस शीर्षक के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

03 हिन्दुस्तान
देहरादून • बुधवार • 22 नवम्बर 2017

संक्षेप

एमकेपी में आज से शैल चित्रकला पर प्रदर्शनी

देहरादून। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) नई दिल्ली की ओर से महादेवी कन्या पाठशाला में बुधवार से विश्व शैल चित्रकला पर प्रदर्शनी शुरू होगी। आईजीएनसीए के परियोजना निदेशक डा. बीएल मल्ला ने मंगलवार को दून पुस्तकालय में पत्रकारों को बताया कि उत्तराखंड में शैल चित्रकला के स्थल अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी और चमोली जिलों में पाए गए हैं। मानव जाति की ओर से बनाई गई इस सर्वप्रथम रचनात्मक कृति के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शैल चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

अमर उजाला
देहरादून
बृहस्पतिवार, 23 नवंबर 2017

मानवीय प्रयासों की कहानी है शैल चित्रकला

एमकेपी कॉलेज के सभागार में 'शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी' का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

एमकेपी कॉलेज के सभागार में बुधवार को 'शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी' का आयोजन हुआ। साथ ही कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। जिसमें काफी संख्या में छात्राओं ने हिस्सा लिया।

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली की ओर से दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी कॉलेज के सहयोग से सभागार में प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही कार्यशाला भी हुई।

मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव आईके पांडे ने शैल चित्रकला मानवीय प्रयासों की कहानी है। आदि मानव ने अपने आश्रय स्थलों, गुफाओं और आसपास की प्रकृति को चित्रों के जरिये उकेरा। जिसके चलते हमें उस समय के इतिहास, रहन-सहन आदि की जानकारी होती है। उन्होंने पेंटिंग का इतिहास, विकास आदि के बारे में भी विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के आदि दृश्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ला ने कहा कि उत्तराखंड में शैल चित्रकला के बेहतरीन उदाहरण अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी और चमोली जिले में मिले हैं।

सबसे ज्यादा शैल चित्रों के स्थल अल्मोड़ा में हैं। प्रदर्शनी का संचालन बीके जोशी और अध्यक्षता एमकेपी की प्राचार्य डॉ. इंदु सिंह ने किया। कार्यशाला में पुरातत्वविद एवं इतिहासकार प्रो. एमपी जोशी ने 'प्रीहिस्टोरिक उत्तराखंड : आर्ट फैक्टस, पैट्रोगलिफ्स एंड रॉक पेंटिंग्स' पर विशेष व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर एमकेपी कॉलेज की छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहीं, जिन्हें सर्टिफिकेट भी बांटे गए।

शैला चित्रकला प्रदर्शनी में कलाकृति देखतीं छात्राएं।

'इंप्रेसेंस' विषय पर आज होगी कार्यशाल

एमकेपी सभागार में बृहस्पतिवार को 'इम्प्रेसेंस' विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वहीं एनथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डॉ. हर्षवर्धन हरिहर द्वारा 'प्रीहिस्टोरिक रॉक आर्ट इन उत्तराखंड हिमालया' शीर्षक पर विशेष व्याख्यान दिया जाएगा।

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

देहरादून। बुधवार ■ 22 नवम्बर ■ 2017

एमकेपी में शैल चित्र कला प्रदर्शनी आज से

कलाकारों से चर्चा करते निदेशक डॉक्टर [illegible]

■ देहरादून।

इंडिया गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली की ओर से दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र के सहयोग से एमकेपी कॉलेज न्यू रोड के प्रांगण में बुधवार से शैल चित्रकला प्रदर्शनी आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी 12 दिसंबर तक चलेगी।

दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र में पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए निदेशक डॉक्टर [illegible] ने कहा कि इसके तहत मध्यप्रदेश के भीमबेटका और विन्ध्याचल के क्षेत्रों से आए लोगों के शैल चित्रकला शैली के इस प्रदर्शनी राष्ट्रीयता कृति के करीब 5 लाख कलाकला चित्र आज हमारे पास मौजूद हैं।

उन्होंने कहा उत्तराखण्ड में शैल चित्रकला के साक्ष्य अल्मोड़ा, चिमोरी, उत्तरकाशी, पौड़ी और पिथौरागढ़ जिलों में पाए गए हैं। उन्होंने प्रदर्शनी शैल चित्रकला की दुर्लभ हाथ बोल को प्रदर्शित करते हैं। इसमें चित्रकार की सांस्कृतिक विरासत के मूर्त और अमूर्त तत्वों पहलुओं से जुड़ी है। प्रदर्शनी का उद्घाटन बुधवार को पत्रकारों कला पत्रकारों से होगा। इसमें एक दिन पूर्व पुस्तक लोकार्पण पुस्तक प्रदर्शनी व पूर्व पुस्तक लोकार्पण हेतु पुस्तक पत्रकार सेमिनार आयोजन होगा। पत्रकारों को अध्ययन पत्रकारों कला पत्रकारों को प्रदान [illegible] हेतु मिल जाएगी।

इंडिया गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली की ओर से आयोजित की जा रही प्रदर्शनी

एमकेपी में विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी शुरू

[illegible] ● जागरण

[illegible] बेंगलुरु: विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ [illegible] एमकेपी कॉलेज में उपमुख्य [illegible] ने शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी कॉलेज में 22 दिन तक [illegible] रहेगी।

[illegible] संस्कृति मंत्रालय के सहयोग [illegible] में [illegible] के निदेशक [illegible] ने कहा कि शैल चित्रकला [illegible] है। [illegible] के [illegible] शैल चित्रकला [illegible] है। [illegible] के [illegible] के बीच [illegible] प्रदर्शनी [illegible] के [illegible] के [illegible] के

एमएमयू की ललित कला प्रदर्शनी में शुमार, 17 दिवंगत तक प्रसिद्ध रचनाओं को जानने का मौका

शैल चित्रकला से जानें मानव की रचनाएं

प्रदर्शनी

आज की कार्यशाला